

वीर निर्वाण स्माराक-१९७६ (फोल्डर नं. ०४०३२)

सम्पादक - भँवरलाल पोल्याका

मुख्य टाइटल

प्रथम खण्ड - भगवान् महावीर - जीवन, मनन, चिन्तन और चरण

मंगलाचरणम्-----	१
मंगलचारणम् (पायात् सदा नः प्रभुः) - डॉ. पन्नालाल -----	१
भगवान् महावीर का जीवन और उपदेश - श्री नन्दकिशोर जैन -----	३
वीर अवतार (कविता) - श्री रतनलाल गंगवाल -----	१२
अनेकान्त आलोक में भगवान् महावीर - श्री निहालचन्दजैन -----	१३
क्षमावीर महावीर - मुनिश्री पार्श्वकुमार -----	१७
औपनिषदिक महायोगी भगवान् महावीर - आ. रमेशचन्द्र शास्त्री -----	२१
भगवान् महावीर-परम्परा और प्रयोग - डॉ. देवेन्द्रकुमार शास्त्री -----	२५
भगवान् महावीर और उनके धर्म की समन्वयात्मक पृष्ठ भूमि - श्री रिषभदास रांका -----	३३
आत्मद्रष्टा महावीर की जीवन दृष्टि - श्री प्रतापचन्द जैन -----	४३
महावीर के सिद्धान्त, युगीन सन्दर्भ में - डॉ. सागरमल जैन -----	४९
आधुनिक युग को जैनदर्शन का प्रदेय नयवाद और अनेकान्तवाद - डॉ. कृपाशंकर व्यास -----	६५
समस्याओं के चौराहे और महावीर का अपरिग्रहवाद - रूपवती -----	७१
भगवान् महावीर के उपदेश आज के सन्दर्भ में-आत्म शांति - डॉ. जयकिशनप्रसाद खण्डेलवाल -----	७७
महावीर के सिद्धान्त एवं समस्याओं का समाधान - श्री भूरचन्द जैन -----	८१
बदलते सन्दर्भों में र्थङ्कर - डॉ. कुसुम पटोरिया -----	८५
स्त्री स्वातन्त्र्य और महावीर - डॉ. श्रीमती राजेश्वरी भट्ट -----	९१
समस्याओं के समाधान में भगवान् महावीर के उपदेशों का सामर्थ्य -0 श्री सुभाषचन्द्र दर्शनाचार्य -----	९७
जैनधर्म में स्त्रियों के अधिकार तथा गोत्र परिवर्तन - पं. परमेष्ठीदास न्यायतीर्थ -----	१०३
भगवान् महावीर के सम्बन्ध में कुछ जातव्य - श्री एस. एम. जैन -----	१०९
जैनधर्म की दृष्टि में हमारा जीवन व्यवहार - श्री प्रकाशचन्द्र -----	११३
खुली आंख से दृश्य दीखते... - डॉ. महेन्द्रसागर प्रचण्डिया -----	११९
कुछ मुक्तक - डॉ. सुरेशचन्द जैन -----	१२०
अपरिग्रह या श्रमनिष्ठा - डॉ. जमनलाल जैन -----	१२१
जैनदर्शन में भावनाविषयक चिन्तन - डॉ. शान्ता भानावत -----	१२५
सम्पूर्णता की राह में बाधक-क्रोध - डॉ. हुकमचन्द भारिल्ल -----	१३३
अपरिग्रह के नये क्षितिज - डॉ. प्रेमसुमन -----	१३७
आत्मा चिन्तामणि है - श्री ज्ञानमती माताजी -----	१४५

जैनदर्शन में समन्वय भावना - डॉ. नरेन्द्र भानावत -----	१४९
सन्मति का समन्वयात्मक सिद्धान्त स्याद्वाद - डॉ. कन्छेदीलाल-----	१५३
महावीर का दिगम्बरत्व - पं. प्रेमचन्द्र -----	१५९
जैनदर्शन में जीव का स्वरूप - कुमारी प्रीति जैन -----	१६१
अहिंसा के अंकुर - श्री शर्मनलाल -----	१६८
जैन दृष्टि - डॉ. इन्द्रचन्द्र शास्त्री -----	१६९
भगवान् महावीर और उनका सन्देश - प्रो. सिताबचन्द्र सोगानी -----	१७३
भगवान् महावीर की अहिंसा का असली रूप - श्री व्योहार राजेन्द्रसिंह -----	१७५

द्वितीय खण्ड

अहिंसाया - पूर्वपीठिका - पं. अमृतलाल शास्त्री -----	१
सन्देश काव्यों में पार्श्वभ्युदय का स्थान - डॉ. रमेशचन्द्र जैन -----	३
सांगानेर में रचित अज्ञातजैन महाकाव्य स्थूलभद्र गुणमाला - डॉ. सत्यव्रत -----	१३
अहिंसा के तीन प्रमुख प्रचारक - श्री हीरालाल जैन -----	२१
हिन्दी वाङ्मय में तीर्थङ्कर महावीर - डॉ. लक्ष्मीनारायण दुबे -----	२५
अपभ्रंश साहित्य में महावीर - डॉ. कस्तूरचन्द्र कासलीवाल -----	४१
दक्षिण भारत में जैनधर्म का प्रवेश - श्री रमाकान्त जैन -----	४५
शाहदरा की रत्नत्रय चतुर्विंशतिका - श्री कुन्दनलाल जैन -----	४९
पठम चरियं में महावीर चरित्र और उपदेश - श्री अगरचंद नाहटा -----	५१
नागार्जुन की जैन गुफा - श्री नीर जजैन -----	५५
खारवेल का हाथीगुम्फा अभिलेख - श्री नीरज जैन और डॉ. अग्रवाल -----	५९
एक रोचक जिन-बिम्ब - श्री शैलेन्द्रकुमार रस्तोगी -----	६५
राजस्थान का इतिहास और पुरातत्त्व - श्री दिगम्बरदास जैन -----	६९
संत तारणतरण की क्रान्तिकारी अभीप्सा - श्री राजधर जैन -----	७७
पं. सदासुखजी का निधन स्थल अजमेर या बैराठ - विद्यावारिधी डॉ. ज्योतिप्रसाद जैन -----	७९
छेड़ दो - श्री रमेशचन्द्र -----	८२
आत्मधर्मी जैनाचार्य जवाहर की राष्ट्रधर्मी भूमिका - डॉ. इंदरराज वैद -----	८३
मुक्तक - श्री आनन्द जैन-----	८६
त्रिविक्रम कथा के जैन स्रोत और रूपान्तर - श्री रमेश जैन -----	८७
महावीर ने बार-बार कहा है - डॉ. भागचन्द्र जैन भास्कर -----	९१
ऐतिहासिक महापुरुष भगवान् नेमिनाथ और उनका काल-निर्णय - वैद्य प्रकाशचन्द्र पांड्या -----	९३

तृतीय खण्ड

सम्यक् दर्शनज्ञानचारित्रणि मोक्षमार्गः - श्री प्रवीणचन्द्र छाबड़ा -----	१
आचार्य कुंदकुंद - एक व्यक्तित्व - श्री प्रकाश हितैषी शास्त्री -----	२
कोई सुनेगा - श्री उदयचन्द्र प्रभाकर शास्त्री -----	७
बटवारे के क्षण - श्री सुरेश -----	१०

चर्चा के दर्पण में चर्चा के चहरें – श्री मगनलाल -----	१४
करेगा सो भरेगा – श्री मोतीलाल सुराना-----	१६
साहित्य समीक्षा -----	१७
भगवान् महावीर के जन्म, दीक्षा केवल प्राप्ति एवं मोक्षधाम की अंग्रेजी तारीखें – श्री प्यारेचन्द महेता -----	२५
English Contents	
Mahavira on Individual and His Social Responsibility – Dr. Kamal Chand Sogani-----	1
Mahavira's Doctrine of Ahimsa and its Impact – Dr. S. M. Pahasiya -----	5
Jainism V/s. Atheism – Dr. Om Prakash Sharma -----	11
Voice of Saints – Shri Mool Chand Patni -----	14
The Non-absolutistic Attitudes and their Relevance in Jainism and Buddhism – Dr. Ramjee Singh -----	15
Word and Meaning the Jaina point of view - Dr. Harendra Prasad Varma -----	19
Historical Role of Jainism in Malwa – Kailash Chand Jain-----	28